Hard_HindiPassage_7002

भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय तंत्र का विकास

Words: 517, Characters: 2773 **LEVEL: HARD**

भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वित्तीय तंत्र का क्रमिक विकास अत्यंत ही जटिल और संघर्षपूर्ण 87
प्रक्रियाओं से होकर गुज़रा है जिसने हमारे महान् राष्ट्र को आज वैश्विक पटल पर एक नई और सुदृढ़ पहचान 186
दिलाई है। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान भारतीय धन का जो निर्दयतापूर्वक दोहन हुआ था उसके पश्चात् देश को 283
आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सर्वप्रमुख लक्ष्य बन गया था। देश की 379
केंद्रीय बैंकिंग संस्था अर्थात् भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल 1935 को हिल्टन यंग आयोग की 478
विस्तृत सिफ़ारिशों के आधार पर पाँच करोड़ रुपये की प्रारंभिक शेयर पूँजी के साथ की गई थी जिसका मुख्य 577
कार्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना और मौद्रिक स्थिरता को अक्षुण्ण बनाए रखना था। स्वतंत्रता प्राप्ति 679
के पश्चात् 1 जनवरी 1949 को रिज़र्व बैंक का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया और इसे पूर्ण रूप से सरकारी 774
नियंत्रण में ला दिया गया। इसके उपरांत बैंकिंग सुविधाओं को दूरदराज़ के गाँवों और कस्बों तक पहुँचाने के पुनीत 882
उद्देश्य से 19 जुलाई 1969 को देश के 14 बड़े वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया जिनके पास उस 981
समय लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि उपलब्ध थी। इसी शृंखला में 15 अप्रैल 1980 को 6 अन्य 1076
प्रमुख बैंकों का भी राष्ट्रीयकरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वर्ष 1991 के भयंकर आर्थिक संकट के दौरान 1173
जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.2 अरब डॉलर के न्यूनतम स्तर पर पहुँच गया था तब 24 जुलाई 1991 1271
को ऐतिहासिक उदारीकरण वैश्वीकरण और निजीकरण की नई आर्थिक नीतियाँ लागू की गईं। इन साहसिक 1357
नीतियों ने विदेशी निवेश के मार्ग की सभी बाधाओं का समूल नाश कर दिया और भारतीय बाज़ारों में अभूतपूर्व 1457
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया। आधुनिक समय में सरकार ने काले धन और भ्रष्टाचार पर कड़ा 1553
प्रहार करने हेतु 8 नवंबर 2016 की मध्यरात्रि को विमुद्रीकरण का ऐतिहासिक और कठोर निर्णय लिया जिसके 1650
परिणामस्वरूप 500 रुपये और 1000 रुपये के पुराने नोटों को चलन से पूरी तरह बाहर कर दिया गया। इसके 1745
पश्चात 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में वस्तु एवं सेवा कर लागू किया गया जो कि स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा 1850
और व्यापक अप्रत्यक्ष कर सुधार माना जाता है। आज के इस डिजिटल युग में भारतीय भुगतान प्रणाली ने 1943
संपूर्ण विश्व में अपना उत्कृष्ट तकनीकी लोहा मनवाया है। 11 अप्रैल 2016 को नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन 2042
ऑफ इंडिया द्वारा यूपीआई प्रणाली का सफल शुभारंभ किया गया था और आज प्रतिमाह लगभग 1200 करोड़ 2132
से अधिक का डिजिटल लेनदेन अत्यंत सुगमता और सुरक्षित तरीके से पूर्ण किया जा रहा है। बुनियादी ढाँचे के 2232
सुदृढ़ीकरण हेतु भारत माला और सागर माला जैसी अत्यंत महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं पर भी तीव्रता से 2327
कार्य चल रहा है। भारतीय रेलवे जो कि देश की जीवन रेखा मानी जाती है उसमें 15 फरवरी 2019 को पहली वंदे 2426
भारत एक्सप्रेस ट्रेन को नई दिल्ली से वाराणसी के बीच हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। आज देश भर 2523
में 100 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें पटरियों पर दौड़ रही हैं और रेलवे नेटवर्क के शत प्रतिशत विद्युतीकरण का 2627
कार्य पूर्णता की ओर है। दूरसंचार के क्षेत्र में भी 1 अक्टूबर 2022 को देश में 5जी इंटरनेट सेवाओं का 2726
विधिवत शुभारंभ हुआ जिससे डेटा हस्तांतरण की गति 2773

© 2026 TypingGuru App
Download From Playstore